

चीनी के हर साल 80 लाख टन अतिरिक्त उत्पादन और कम खपत को देखते हुए लिया निर्णय

अब एथेनॉल भी बना सकेंगी चीनी मिलें

कानपुर | वरिष्ठ संगठनादाता

देश में हो रहे चीनी के अत्याधिक उत्पादन और कम खपत को देखते हुए अब निर्णय लिया गया है कि चीनी मिलें ऐसी स्थिति में चीनी उत्पादन न कर एथेनॉल उत्पादन करें। मजबूरी यह है कि देश की 560 में से 150 चीनी मिलों के पास ही ऐसे प्लांट हैं जो इस काम को अंजाम दे सकते हैं। अन्य चीनी मिलों को अपने प्लांट में बदलाव लाने होंगे।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) की सलाहकार समिति की बैठक में भाग लेने आए केन्द्रीय संयुक्त सचिव (चीनी एवं चीनी प्रशासन) प्रशान्त त्रिवेदी ने 'हिन्दुस्तान' को बताया कि एक समय था जब चीनी नियंत्रित थी। इसका चक्रीय सिस्टम था। अब ऐसा नहीं है। हर वर्ष देश में अब 70 से 80 लाख टन अधिक चीनी पैदा हो रही है। दुनिया भर में चीनी का उत्पादन हो जाने से बाजार में इसकी कीमतें गिर गई हैं। विश्व के अन्य देश आधुनिक प्लांट के माध्यम से चीनी के स्थान पर एथेनॉल बना रहे हैं और पेट्रोल में 30



संयुक्त सचिव प्रशान्त त्रिवेदी ने बायोकेमिस्ट्री लैब में चल रहे शोध को देखा।

फीसदी से अधिक ब्लेंडिंग (मिलाना) कर रहे हैं। इससे उन्हें नुकसान नहीं हो रहा है।

चीनी की दरें कम होने से दिक्कत : संयुक्त सचिव ने कहा कि चीनी की दरें काफी कम हैं लेकिन गन्ना उगाने की लागत अधिक है। ऐसे में चीनी मिलों को भी प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में नुकसान की भरपाई की सरकारें सब्सिडी की घोषणाएं करती हैं। किसानों की स्थिति ठीक न होने से ऐसा करना भी अपरिहार्य हो जाता है।

चीनी से सीधे एथेनॉल पर

मशक्कत : संयुक्त सचिव प्रशान्त त्रिवेदी ने बताया कि एथेनॉल उत्पादन बढ़ाने के लिए ऑयल कंपनियों ने कीफी राहत देनी शुरू की है। यही वजह है कि इस बार एथेनॉल का उत्पादन 30 करोड़ लीटर से 80 करोड़ लीटर हो गया। एथेनॉल उत्पादन को सेंट्रल एक्साइज से भी मुक्त रखा गया है। इससे प्रति लीटर पांच रुपए का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। इससे प्रति लीटर के लिए 47 रुपए मिलने लगेंगे।



01 हेक्टेयर भूमि



82.5 टन गन्ना

7200 ली. एथेनॉल

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान सलाहकार परिषद की बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण फैसले

गन्ने से बनायेंगे बिजली, शोध के लिए अल्कोहल भी बनेगा



राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में सलाहकार बोर्ड की 48वीं बैठक लेते संयुक्त सचिव प्रशांत त्रिवेदी।

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में अब शीघ्र ही शोध कार्यों के लिये अल्कोहल बनाया जायेगा। इसके अलावा गन्ने से संस्थान के लिये बिजली बनाये जाने का कार्य भी किया जायेगा। यह निर्णय संस्थान के सलाहकार परिषद की 48वीं बैठक में लिया गया। इस मौके पर भारत सरकार के संयुक्त सचिव

संस्थान में वृक्षारोपण किया और प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर डा. आरके सिंह, डा. वी. शिबन्ना, संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन, डा. संतोष कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

शर्करा एवं शर्करा प्रशासन प्रशांत त्रिवेदी ने संस्थान की कम्प्यूटर लैब का शुभारम्भ किया।

बैठक में संस्थान में स्थित फैक्ट्री को अत्याधुनिक बनाकर गन्ने से बिजली बनाये जाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा गन्ने से शोध कार्यों के लिये अल्कोहल बनाये जाने का भी निर्णय लिया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रशांत त्रिवेदी ने कहा कि देश की शर्करा सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने के लिये राष्ट्रीय शर्करा संस्थान शोध कार्यों में लगे है, लेकिन इसके बाद भी हम दुनिया के विकसित देशों का मुकाबला नहीं कर पाये हैं। इसके लिये वैज्ञानिकों को पूरे मनोयोग के साथ शोध कार्यों में लगना होगा। यह उद्योग चीनी के अलावा हमारी अन्य जरूरतों को भी पूरा करता है। इसके लिये भारत सरकार भी गम्भीर है। शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. एससी राव ने कहा कि देश के राष्ट्रीय शर्करा संस्थानों में कानपुर का संस्थान बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसके बाद भी इसमें और ज्यादा विकास की जरूरत है। श्री त्रिवेदी ने नये छात्रावास का निर्माण, संस्थान के फार्म में मैकेनाइजेशन और भारतीय पोटाश संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से चल रही योजना पोटाश फॉर लाइफ की समीक्षा की। इसके अलावा फार्म में गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिये किये जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने

■ भारत सरकार के संयुक्त सचिव शर्करा प्रशासन ने किया कम्प्यूटर लैब का शुभारम्भ

एनएसआई में होगी इनवायरमेंटल इंजीनियरिंग की पढ़ाई

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में इनवायरमेंटल इंजीनियरिंग की पढ़ाई शैक्षिक सत्र 2016-17 से होगी। इस पर एडवाइजरी कमेटी की मुहर लग गई है। अब कोर्स डिजाइन किया जाएगा। दूसरी तरफ फ्रीडस्टोक्स से एथेनॉल, कसावा और चुकंदर से अल्कोहल बनाने को हरी झंडी दी गई है। इस पर जल्द ही काम शुरू हो जाएगा।

एनएसआई की 48वीं एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग शुक्रवार को हुई। इसकी अध्यक्षता शर्करा एवं शर्करा प्रशासन भारत सरकार के संयुक्त सचिव प्रशांत त्रिवेदी ने की। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन की मौजूदगी वाली मीटिंग में प्रदूषण रोकने के नए मानक पर चर्चा हुई। बताया गया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) और प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने गन्ना मिल, अल्कोहल फैक्ट्री से गंदे पानी के डिस्चार्ज के नए मानक बना दिए हैं। यूपी में 118 चीनी मिल हैं। इनसे कहा गया है कि एक टन गन्ना पेराई पर 40 लीटर से ज्यादा गंदे पानी डिस्चार्ज नहीं होना चाहिए। इसका अनुपालन नवंबर 2015 तक सुनिश्चित किया जाना है। ऐसा नहीं हुआ तो मिल बंद की जाएगी। एनजीटी ने पानी की



एनएसआई की एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग लेते शर्करा प्रशासन भारत सरकार के संयुक्त सचिव प्रशांत त्रिवेदी साथ में संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

रिसाइक्लिंग की भी सलाह दी। इससे पहले एक टन गन्ना पेराई पर 100 लीटर गंदे पानी डिस्चार्ज किया जा सकता था।

यूपी में अल्कोहल (डिस्टिलरी) की 50 फैक्ट्रियां हैं, जिन्हें जीरो डिस्चार्ज का टारगेट दिया गया है। एनजीटी ने कहा है कि मार्च

2016 तक ऐसी तकनीक का इस्तेमाल करें, जिससे अल्कोहल फैक्ट्री से प्रदूषण न हो। यही वजह है कि एडवाइजरी कमेटी ने इनवायरमेंटल इंजीनियरिंग का कोर्स शुरू करने का फैसला लिया है। एनएसआई के डायरेक्टर ने बताया कि समुद्र के किनारे कसावा पाया

एडवाइजरी कमेटी की 48वीं मीटिंग में लगी मुहर

कसावा और चुकंदर से अल्कोहल बनाने को मिली हरी झंडी

प्रदूषण रोकने के लिए चीनी मिल, अल्कोहल फैक्ट्री के नए मानक

संयुक्त सचिव शर्करा ने किया संस्थान का निरीक्षण, पौधरोपण भी किया

जाता है, जिसका साबुदाना बनता है। कसावा में स्टार्च ज्यादा होता है। इसी स्टार्च को ग्लूकोज में कनवर्ट करके अल्कोहल बनाया जा सकता है। चुकंदर से भी अल्कोहल बनाया जाएगा। क्योंकि भारत में 115 करोड़ लीटर अल्कोहल की जरूरत है लेकिन 80 करोड़ लीटर अल्कोहल ही मिल पा रहा है। इससे पहले आईएसएस प्रशांत त्रिवेदी ने कंप्यूटर सेंटर का उद्घाटन किया। परियोजना के तहत होने वाले कामकाज की समीक्षा की।

इस दौरान संयुक्त सचिव प्रशांत त्रिवेदी ने पौधरोपण भी किया। गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए चल रही परियोजना की तारीफ की। इस मौके पर डॉ. संतोष कुमार, डॉ. जीएससी राव, आरके सिंह और शिवन्ना मौजूद रहे।